

वर्किंग कैपिटल के लिए दस्तावेज़ों की चेकलिस्ट

यह सूची उन MSME, व्यापारियों, निर्माताओं और कॉन्ट्रैक्टरों के लिए है जो नई कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट या बैंक गारंटी लिमिट के लिए आवेदन कर रहे हैं या उसे रिन्यू करा रहे हैं। हर ऋणदाता अपनी सूची खुद तय करता है, इसलिए अपने बिज़नेस और ज़रूरी सुविधा पर लागू दस्तावेज़ साथ लाएँ।

Biz Corp Solutions · bizcorps.in/hi/checklists/working-capital/ · 98233 33124

01 बिज़नेस और प्रमोटरों का KYC

- ☐ प्रोप्राइटर, पार्टनरों, डायरेक्टरों और गारंटर्स का PAN और Aadhaar
- ☐ पार्टनरशिप डीड, या MoA, AoA और इनकॉर्पोरेशन सर्टिफिकेट
- ☐ MSME होने पर Udyam रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट
- ☐ GST रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट
- ☐ लोन लेने के लिए बोर्ड प्रस्ताव या पार्टनरों का अधिकार-पत्र

02 वित्तीय विवरण और अनुमान

- ☐ पिछले 3 वर्षों के ऑडिटेड वित्तीय विवरण
- ☐ बिज़नेस और प्रमोटरों के इनकम टैक्स रिटर्न (ITR)
- ☐ चालू वर्ष के प्रोविज़नल वित्तीय विवरण
- ☐ अगले 2 वर्षों के अनुमान, अक्सर CMA फ़ॉर्मेट में
CMA डेटा में ऑपरेटिंग स्टेटमेंट, बैलेंस शीट विश्लेषण और पात्र बैंक फाइनेंस दिया जाता है।
- ☐ प्रमोटरों और गारंटर्स के CA-प्रमाणित नेटवर्थ स्टेटमेंट

03 टर्नओवर और बैंकिंग

- ☐ पिछले 12 महीनों के GST रिटर्न
- ☐ सभी खातों के पिछले 12 महीनों के बैंक स्टेटमेंट
- ☐ महीनेवार बिक्री और खरीद का विवरण

04 स्टॉक और रिसीवेबल्स

- ☐ नवीनतम स्टॉक स्टेटमेंट
बैंक इसी से ड्रॉइंग पावर तय करते हैं, इसलिए इसे अपडेट रखें।
- ☐ डेटर एजिंग स्टेटमेंट
पुराने रिसीवेबल्स आम तौर पर ड्रॉइंग पावर से बाहर रखे जाते हैं।
- ☐ क्रेडिटर एजिंग स्टेटमेंट

05 मौजूदा लिमिट और सिक्योरिटी

- ☐ मौजूदा लोन और लिमिट के सैंक्शन लेटर
- ☐ हर बैंक में मौजूदा बकाया और बिना इस्तेमाल हुई लिमिट
- ☐ कोलैटरल के रूप में दी गई प्रॉपर्टी की टाइटल डीड

06 कॉन्ट्रैक्टरों और बैंक गारंटी के लिए

- ☐ कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू और पूरे हुए काम के साथ ऑर्डर बुक
- ☐ हाथ में मौजूद वर्क ऑर्डर या लेटर ऑफ अवॉर्ड
- ☐ जमा किए गए, प्रमाणित और भुगतान के लिए बाकी रनिंग बिल
- ☐ क्लाइंट्स द्वारा रोकी गई रिटेंशन राशि
- ☐ हर ज़रूरी गारंटी का विवरण
प्रकार, राशि, अवधि और लाभार्थी, टेंडर या कॉन्ट्रैक्ट की शर्तों के साथ।

ध्यान देने योग्य बातें

- स्टॉक स्टेटमेंट समय पर दें; पुराने (आम तौर पर 3 महीने से पुराने) स्टेटमेंट पर की गई निकासी अनियमित मानी जा सकती है।
- सुनिश्चित करें कि GST रिटर्न, ITR और बैंक स्टेटमेंट में टर्नओवर एक जैसा दिखे।
- स्व-सत्यापित कॉपियाँ तैयार रखें; KYC और नेटवर्थ दस्तावेज़ आम तौर पर गारंटियों के भी लगते हैं।
- ऋणदाता एक्सपोर्ट ऑर्डर, स्टॉक ऑडिट या ग्रुप कंपनियों का विवरण जैसे और दस्तावेज़ माँग सकते हैं।
- ऋणदाता, लोन राशि और आपकी प्रोफ़ाइल के अनुसार ज़रूरी दस्तावेज़ अलग हो सकते हैं; ऋणदाता इससे ज़्यादा या कम दस्तावेज़ माँग सकता है। इस सूची को शुरुआत के रूप में इस्तेमाल करें और अंतिम सूची ऋणदाता से पक्की करें।

स्रोत

1. [Documents need to be submitted for MSME Loan](#) — Bank of Maharashtra
2. [Checklist for submitting credit proposals above Rs.2 Cr](#) — Union Bank of India

3. [FAQs on MSME lending \(updated 29 July 2025\)](#) — Reserve Bank of India

अंतिम समीक्षा: 5 अक्टूबर 2026।